बारिश में चोदा जवान भाभी को नंगी करके

“रेन सेक्स विद यंग भाभी का मजा मैंने अपने भाई की सुंदर गर्म बीवी के साथ लिया. हम दोनों अकेले थे घर में … बारिश आने लगी तो भाभी मुझे बारिश में ले गयी खींच कर ! …”

Story By: रागव 9 (ragav9)
Posted: Saturday, November 23rd, 2024
Categories: भाभी की चुदाई
Online version: बारिश में चोदा जवान भाभी को नंगी करके

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बारिश में चोदा जवान भाभी को नंगी करके

रेन सेक्स विद यंग भाभी का मजा मैंने अपने भाई की सुंदर गर्म बीवी के साथ लिया. हम दोनों अकेले थे घर में … बारिश आने लगी तो भाभी मुझे बारिश में ले गयी खींच कर !

मेरा नाम राघव है, मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार में रहता हूं.
मेरे परिवार में 4 सदस्य हैं और पांचवा मैं हूं.

मेरे मम्मी पापा और एक बड़े भैया और भाभी है.
भाई की शादी को 1 साल हुआ है. भाई की शादी एक अच्छे घर में हुई है.

मेरी भाभी का व्यवहार बहुत अच्छा है, उनकी मुझसे बहुत बनती है.
हम सब लोग बड़ा मिलजुल कर रहते हैं.

मेरे पिताजी एक कांट्रेक्टर हैं और भैया प्राइवेट स्कूल में टीचर !
मेरी अभी कॉलेज की पढ़ाई चल रही है और मैं प्रथम वर्ष का विद्यार्थी हूं.

भैया और पिताजी सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं, वे शाम तक आते हैं.
घर पर दिन में मैं, मेरी मम्मी और भाभी रहते हैं.
मम्मी सुबह मंदिर जाती हैं और दिन में रिश्तेदारों के यहां वहां चली जाती हैं तो पीछे घर पर मैं और मेरी भाभी अकेले ही रहते हैं।

मैं अपने भाई और भाभी की बहुत इज्जत करता हूं और कभी भी उनको लेकर मेरे दिल में कोई गलत ख्याल नहीं आया.

यह रेन सेक्स विद यंग भाभी कहानी इसी भाभी के साथ है.

दोस्तो, मैं अपनी भाभी के बारे में तो बताना भूल ही गया।
मेरी भाभी का रंग बहुत गोरा है और वह 21 साल की एकदम जवान कमसिन कली है।

उसका फिगर 38-28-40 है.

मैं और मेरी भाभी घर पर अकेले रहते हैं तो इधर-उधर की बातें करते रहते हैं.
भाभी रसोई में खाना बनाती है तो मैं उसके पास खड़ा रहता हूं उसका हाथ बटाता हूं और उससे बातें करता रहता हूं।

अभी सावन का महीना था और बारिश हो रही थी.
भाभी बोली- चलो देवर जी, ऊपर छत पर चलते हैं और नहाते हैं.
मैंने हां कर दी और मैं और मेरी भाभी जी ऊपर छत पर चले गए.

थोड़ी देर में भयंकर बारिश होने लगी और चारों तरफ अंधेरा छाने लगा।
मैं और मेरी भाभी बारीश का मजा ले रहे थे।

तेज हवा से बारिश भी तेज हो गई, सर्दी लगने लगी.
भाभी पूरी तरह भीगी थी।

अब सर्दी की वजह से वह उत्तेजित होने लगी और वह मुझे छेड़ने लगी.
कभी मुझे टच करते तो कभी चिकुटी काट देती, कभी मार के चली जाती.
मैं भी उनके साथ खेलने लगा.

बारिश की वजह से उनके कपड़े उनके बदन के चिपके हुए थे.
पहली बार उनकी कमसिन जवानी को मैंने इतने गौर से देखा और पहली बार मुझे उनको लेकर गलत ख्याल आने लगे.
और कह सकते हैं कि इसमें मौसम का भी बहुत बड़ा योगदान था.

अब मुझे भाभी कम और एक कमसिन कली ज्यादा लग रही थी.
मैंने भी भाभी के साथ छेड़छाड़ करनी शुरू कर दी.

भाभी के साथ मजाक के बहाने कभी उनके मम्मों को टच करता तो कभी उसके गालों को … कभी उसकी उभरी हुई गांड को !

अब बारीश और तेज होने लगी, हम दोनों और ज्यादा मस्ती करने लगे.

भाभी और मैं दोनों बहुत ज्यादा उत्तेजित हो गए.

थोड़ी देर में भाभी ने खेलते खेलते मेरे बरमुडे के ऊपर से मेरे लंड को दबा दिया और मुस्कुरा कर भाग गई।
मुझे एक तरह से ग्रीन सिग्नल मिल गया था.
मैं भी उनके पीछे भागा और उनको पीछे से पकड़ लिया.

पीछे से हाथ डालकर मैंने उनके मुंह को हल्के से दबा दिया और अपने लंड का स्पर्श भाभी की गांड पर दिखा दिया।
भाभी मेरे इरादों को भांप गई।
वह छुड़ाने की नाकाम कोशिश करने लगी.

मैंने उनको छोड़ दिया और थोड़ा दूर जाकर दीवार के पास खड़ा हो गया.
मैं चाहता था कि भाभी खुद मेरे पास आए और कुछ हरकत करे।

वही हुआ … थोड़ी देर में भाभी मेरे पास भाई और मुझे कातिल नजर से देखने लगी।
मैं भी भाभी को लाईन मारने लगा।

भाभी मुझे पकड़कर फिर से बारिश में ले आई और मुझे छेड़ने लगी।

अब मुझे भी पूरी उत्तेजना छा गई थी.
इस बार मैंने भाभी को सामने से पकड़ा और अपनी बाहों में ले लिया और होंठों पर होंठ रखकर किस करने लगा और उसके मम्मों को दबाने लगा.

भाभी पूरी तरह से उत्तेजित थी लेकिन दिखाने के लिए बोलने लगी- अरे अरे देवर जी, यह क्या कर रहे हो ? छोड़ो मुझे … मैं आपकी भाभी हूं।
मैं भी बोला- मैं भी तो आपका देवर हूं !

भाभी कसमसाने लगी.
पर मैंने उसको नहीं छोड़ा और सही पूछो तो भाभी का भी मन नहीं था कि मैं उसको छोड़ दूं।

मैं अब उसके गालों से होते हुइ उनकी गर्दन और वक्ष पर किस करने लगा।
भाभी पर उत्तेजना छाने लगी।

मैंने भाभी को जोर जोर से किस करना शुरू कर दिया और भाभी ने भी मुझे जोर शोर से किस करना शुरू कर दिया।

अब भाभी पूरी तरह से उत्तेजित हो चुकी थी ; हम दोनों एक दूसरे से चिपक गए थे।
हम दो बदन एक जान हो गए थे.

भाभी बोलने लगी- छोड़ो देवर जी, कोई देख लेगा।
मैंने कहा- भाभी, यहां कोई नहीं देखेगा क्योंकि हमारे घर के पास और किसी का घर नजदीक में नहीं है।

तब भाभी ने बोला- चलो सीढ़ियों का गेट लगाकर आओ.
मैं झट से गया और सीढ़ियों के दरवाजे की कुंडी लगा दी।

वापस आकर मैंने भाभी को पकड़ लिया.
अब भाभी पहले से दुगने जोश में मुझे किस कर रही थी और मैं भी भाभी को किस कर रहा था.

हमारी उत्तेजना चरम पर थी.

अब मैंने भाभी के ब्लाउज के बटन खोलने शुरू किए और उसके बदन से ब्लाउज को अलग कर दिया.
उसके बड़े-बड़े मम्मे चोली को फाड़ कर बाहर आने की कोशिश कर रहे थे.
उनको देखकर मेरा दिमाग झनझना गया।
मैं उन पर टूट पड़ा, उनको दबाने और मसलने लगा.

भाभी सिसकारियां लेने लगी- सी सी सी … आहा ! आ … हाआहा !
मैं जोर-जोर से उसके बोबों को दबा रहा था।

भाभी को मजा आने लगा, वह सिसकारियां ले रही थी.

अब मैंने हाथ पीछे ले जाकर चोली के हुक को तोड़ दिया और झट से चोली को उसके गदराये जिस्म से अलग कर दिया।
उसके 38″ के उरोज खुलकर मेरे सामने आ गए.

मैंने पहले तो दोनों को पकड़ कर खूब मसला, फिर एक बोबे को मुंह में ले लिया और दूसरे को हाथ से जोर जोर से दबाने लगा।

फिर मैं दूसरे को चूसने लगा और पहले को दबाने लगा।
इस तरह मैं काफी देर तक भाभी के बोबों को चूसता रहा और मसलता रहा।

अब भाभी पूरी तरह से उत्तेजित हो गई थी।

मैंने भाभी के पेटीकोट का नाड़ा खींच दिया, उसका पेटीकोट नीचे नहीं गिरा क्योंकि वह उनकी जांघों से चिपका हुआ था.
मैंने अपन इ हाथों से भाभी का गिला पेटीकोट उतारा.

अब भाभी मेरे सामने सिर्फ पेंटी में खड़ी थी.
मैंने उत्तेजना के मारे अब एक झटके में पेंटी फाड़ दी.
उसने भी मेरे सारे कपड़े उतार दिए।

अब मैं और मेरी भाभी एकदम नंगे एक दूसरे के सामने खड़े थे।
मेरा लंड पूरी तरह से खड़ा हो चुका था।
भाभी मेरा लम्बा मोटा लंड देखकर चौंक गयी और बोली- ये तो लंड नहीं मूसल है मूसल!

उसके मुख से लंड को देखकर लार टपकने लगी।
उधर बारिश का पानी भाभी के दोनों पहाड़ जैसे बड़े बोबों से होता हुआ उनकी नाभि से बहता हुआ चूत में उतरने लगा।

यह देखकर मेरा लंड और कड़क हो गया.
मैंने भाभी को वहीं बारिश के पानी में छत पर लिटा दिया और हो गया भाभी पर सवार!

अब आ गई थी लंड और चूत के मिलन की घड़ी।

मैंने लंड भाभी की चूत पर रखा.
भाभी सिसकारियां लेने लगी, भाभी ने बोला- देवर जी, धीरे डालना!
यह सुनकर मुझे और जोश आ गया।

मैंने कहा- भाभी, मजा तो तेजी से डालने में ही आता है.
और फिर मैंने लंड का सुपारा चूत पर रखा और एक ही झटके में मेरा मूस1 लंड भाभी की चूत में उतार दिया।

भाभी चीखने लगी.
मैंने उनके मुंह पर हाथ रख दिया और तेजी से एक और झटका मार दिया।
लंड भाभी की चूत को चीरता हुआ गहराई मे उतर गया।

भाभी की चूत से खून निकलने लगा. भाभी जोर से चिल्लाना चाहती थी लेकिन मैंने उनके मुंह पर हाथ रखा था।
उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे।

अब मैंने जोश और तेजी के साथ लंड के झटके देने शुरु किये।
मेरा लंड भाभी की बच्चेदानी पर ठोकरें मारने लगा।

भाभी कराह रही थी, मुझे मार रही थी.
लेकिन मैंने उसकी एक नहीं सुनी, मैं लंड के दनादन झटके मार रहा था।

थोड़ी देर झटके मारने के बाद मेरा लंड भाभी की चूत में समाहित हो गया।

अब धीरे-धीरे भाभी का दर्द भी कम हुआ और उसको भी मजा आने लगा.
तो उसने कहा- देवर जी, अब हाथ हटा लो, मैं नहीं चिल्लाउंगी।

भाभी उतेजना के मारे नीचे से झटके मारने लगी और मेरी बदमाशी के लिए मुझे डांट भी लगाई बोली- देवर जी, आज तो आप मार ही डालते मुझे ! मार डालने का इरादा है क्या ?
मैंने कहा- नहीं भाभी जी, आप तो मेरी प्यारे भाभी हो।

इस पर भाभी काट डालने वाली कातिल सेक्सी स्माइल देने लगी।

अब हम जोरदार चुदाई कर रहे थे.
भाभी को मजा आने लगा और वह बोलने लगी- और जोर से चोदो मेरे देवर जी। फाड़ डालो अपनी भाभी की चूत!

मैं भी अब जोर जोर से चोदने लगा और भाभी भी नीचे धक्के दे दे कर मुझे उत्तेजित कर रही थी।
हम दोनों ताबड़तोड़ चुदाई करने लगे।

भाभी सिसकारियां लेने लगी- आह! आह … हआह … ओओ ओ राजा … उम्म उम्म … सी सी सी … और जोर से … और जोर जोर से चोदो मेरे देवर राजा! फाड़ डालो आज अपनी भाभी की चूत को!

उसकी सिसकारियां और उनके निमंत्रण से में और ज्यादा उत्तेजित हो गया और जोर जोर से भाभी की चूत का बाजा बजाने लगा।

हम दोनों सेक्स के नशे में चूर थे।
अब मैंने भाभी को बोला- पोज चेंज करते हैं!
भाभी मान गई.

फिर मैंने भाभी को घोड़ी बनाया और पीछे से मैंने मेरा मूसल लंड का एक झटका भाभी की चूत में दे दिया।
भाभी चिल्ला उठी- मार डाला देवर जी!

लंड का झटका इतना तेज था कि भाभी आगे गिर गई.
भाभी जल्दी से खड़ी हुई और वापिस घोड़ी बन गई और बोली- देवर जी, इस बार थोड़ा

धीरे डालना।

मैंने इस बार भाभी की चोटी को घोड़ी की लगाम की तरह पकड़ लिया और लंड को चूत पर टिकाकर एक ही झटके में अंदर उतार दिया।
इस बार भाभी ने दर्द के मारे आगे गिरने की बहुत कोशिश की.
लेकिन मैंने उसकी चोटी पकड़ रखी थी इसलिए वह आगे नहीं जा पाई और उसकी एक चीख निकल कर रह गई।

भाभी को दर्द होने लगा, वह चिल्लाने लगी, दर्द के मारे उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे.
वह बोलने लगी- छोड़ दो देवर जी, बहुत दर्द हो रहा है।

मैंने उसकी एक न सुनी और उसकी गांड में धक्के पर धक्का लगाता रहा।
भाभी कराहने लगी.

मैंने उनकी चोटी को लगाम की तरह पकड़ा हुआ था और खींच खींच के चूत में लंड की धक्के मार रहा था और एक हाथ से उसकी गांड पर चपत लगाने लगा।

भाभी कुछ देर चिल्लाने के बाद मजा लेने लगी.
अब उसको मेरी ठुकाई में मजा आने लगा और वह अपनी गांड को पीछे धकेल धकेल कर मेरे लौड़े को अंदर तक लेने लगी।

मुझे भी सेक्स का तूफान चढ़ा था, मैं भी भाभी की जांघों को पकड़कर उसे कुतिया की तरह चोदने लगा.
अब भाभी सेक्सी आवाज में सीत्कार भरने लगी और बोलने लगी- अअ हाह मेरे देवर जी, फाड़ डालो अपनी भाभी की चूत को ! मेरी चूत को चोद चोद कर उसका भुर्ता बना दो।

मैं भी गपागप अपने लंड को भाभी की चूत में ठोकने लगा।
भाभी के 38 के बोबे नीचे झूल रहे थे। भाभी की गांड और मेरी जांघों बीच आपस में झटकों से ‘पट पट … सट …सट सटाक पटाक’ की आवाजें आने लगी।

काफी देर घोड़ी बनाकर चोदने के बाद अब मैंने भाभी को सीधा लेटाया और अब मैंने अपना लंड फिर से भाभी की चूत में धकेल दिया।
मैंने भाभी की दोनों टांगें उठाकर अपने कंधों पर रखी और ताबड़तोड़ चुदाई शुरु की।

रेन सेक्स विद यंग भाभी में भाभी को और भी मजा आने लगा, वह अब खिलखिलाकर लंड को अंदर बाहर करने लगी।
मैंने भी पूरे जोर से भाभी की चुदाई शुरु कर दी।
भाभी के बूब्स लंड के झटकों के साथ साथ लहराने लगे।

अब मैंने भाभी को बोला- तुम गंदी गंदी गालियां दो. इससे चुदाई में और मजा आयेगा।
भाभी गालियां देने लगी- बहन के लौड़े … चोद जोर जोर से अपनी भाबी को … फाड़ डाल आज मेरी चूत ! मादरचोद हरामी !

अब मैं भी भाभी के गालों पर थप्पड़ मार मार कर चोदने लगा।

इस प्रकार हम आधा घंटे चुदाई करते रहे, फिर दोनों एक साथ झड़ गये।

भाभी बोली- यार देवर जी, पहली बार मुझे इतना मजा मिला है। आप सच में बहुत ताकतवर हो। आज से तुम अपनी भाभी की चूत के गुलाम हो और मैं आपके लंड की गुलाम !

उसके बाद में भाभी को जब भी मौका मिलता … चोदता रहता हूँ।
देवर भाभी की मचलती जवानी पूरे रंग दिखा रही है.

रेन सेक्स विद यंग भाभी कहानी पढ़ कर आपको मजा आया होगा.
अपने विचार कमेंट्स और मेल में लिखें.
98765ragav@gmail.com

Other stories you may be interested in

पति के दोस्तों ने टॉयलेट में चोदा

Xxx बाथरूम फक कहानी में मैं पति के साथ एक पार्टी में गयी तो वहां पति के दोस्त ने मुझे सीधे सेक्स के लिए प्रोपोज़ किया. उसे मेरी चुदास, वासना, रण्डी गिरी का पता था. यह कहानी सुनें. मेरे लन्ड […]
Full Story >>>

पहले गांड मारी फिर गोद में बैठकर खाना खिलाया

ऐस सेक्स बैक होल स्टोरी में मैंने अपने टॉप को अपना पति मान लिया और उसकी के साथ उसकी बीवी की तरह रहने लगी. एक दिन मैं उनके लिए खाना लाई तो पहले उन्होंने मेरी गांड मारी. बहुत दिनों बाद […]
Full Story >>>

दूकान की सेक्सी ग्राहक मेम की चुदाई

हॉट भाभी फकिंग कहानी में मेरी बीवी की सेक्स में रूचि नहीं थी तो मैं बाहर सेक्स की चाह रखता था. मेरी साड़ी की दूकान में बहुत भाभियाँ आती थी. एक भाभी से मेरी सेटिंग कैसे हुई ? हेलो सेक्सी दोस्तो, […]
Full Story >>>

गर्लफ्रेंड संग सेक्स से पहले की गर्म मुलाकात

वर्जिन चूत का पानी चखने का मौक़ा मुझे तब मिला जब मैंने अपने दोस्त की बहन को प्रोपोज़ किया और उसके साथ उसके बेड पर समय बिताया. तब मैंने उसकी चूत चाट कर उसका पानी निकाला. मित्रो, मैं आपको अपनी […]
Full Story >>>

स्वीटी की चूत चुदाई से जन्नत की सैर

Xxx देसी गर्ल सेक्स कहानी में स्टेशन पर मिली लड़की को चोदने के बाद वह दोबारा मिली और मुझे अपने घर ले गयी. साथ में उसकी एक सहेली भी जो सब जानती थी. मित्रो, प्यासी चूतों को मेरे फड़कते कड़क […]
Full Story >>>